उर्वरक उत्पादन की अपर्याप्त क्षमता का उपयोग किया जाना

1333. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात में उर्वरक इकाइयां अपनी वास्तविक उत्पादन क्षमता के अनुरूप उत्पादन नहीं कर रही है,

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है, और

(ग) सरकार द्वारा इन इकाइयों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) गुजरात राज्य में स्थिल बड़े उर्वरक एकक क्षमता उपयोगिता के संतोषजनक स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) इस समय में इफको अपने अमोनिया-यूरिया संयंत्र, कलाले की क्षमता के विस्तार करने के लिए 119 करोड़ रुपए की लागत पर एक परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है ।

ORE mines in Gujarat

1334. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) the number of iron ore mines in Gujarat particularly in Kachha region;

(b) the quantum of various grades of iron ore reserved in those mines;

(c) the system adopted at present in each of those mines for the extraction of iron ore; and

(d) the steps taken by Government for the development of iron ore mines in that State?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) There arc no iron ore mines in the State of Gujarat

(b) to (d) Do not arise in view of (a) above.

Constitution of Committee to Study the failure of DDA

1335. PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of URBAN AFFAIR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether the Minister of Urban Development had constituted a committee to go into the .failure of the DDA in the construction of houses in Delhi;

(b) if so, whether the committee submitted its report and if so, what are the findings of that committee; and

(c) the action taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYEMNT (SHRI P.K. THUNGON): (a) No, Sir.

(b) and (c) Question does not arise in view of reply to (a) above.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य

1336. **श्री चौधरी हरमोहन सिहं :**

श्री ईश दत्त यादव :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 को स्वैच्छिक संगठनों द्वारा चलाए जाने से सरकार के उद्देश्य पूरे हो रहे है,

(ख) यदि हां,तो गत तीन वर्षों के दोरान इन संगठनों द्वारा राज्यवार कितनी प्रगति की गई है, और

(ग) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में उप मंत्री) (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 और इसकी कार्रवाई योजना 1992 में नीतिगत घोषणा के अनुसरण में, सामुदायिक सहभामिता तथा स्वैच्छिक प्रयासों को प्रारंभिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण, प्रौढ़ साक्षरता, और शिक्षा के व्यावसायीकरण की विभिन्न स्कीमों के क्रियान्वयन को सौहार्दपूर्ण तरीके से प्रोत्साहित

किया जाता है । इसके, अतिरिक्त, संविधान में 73वें तथा 74वें संशोधन के अनुसरण में, बेहतर सामुदायिक भागीदारी के लिए शिक्षा में एक विकेन्द्रीकरण प्राध संरचना की स्थापना के लिए राज्यों को दिशानिर्देश जारी कर दिए गए हैं । जिन स्वैच्छिक संगठनों को पर्याप्त अनुदान दिए गए है उनकी सूची मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई हैं ।

Private investment in agriculture

1337. DR. B.B. DUTTA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of the private as well as public investment in Agriculture since 1980-81;

(b) details of steps taken by Government to increase private investment in agriculture; and

(c) how far these measures have been successful till date?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) A statement containing details of Gross Capital Formation (Investment) in Agriculutre since 1980-81 with public and private sector break-up is enclosed (see below).

(b) Government have already taken a series of measures to promote private sector investment in agriculture like increased support prices, more favourable economic environment through promotion of exports and relaxation of controls on domestic movement of foodgrains, etc In pursuance of the Union Finance Minister's speech for' 1995-y6, Kurai infrastructure Development Fund (RIDF) is proposed to be created with NABARD with the corpus of Rs. 2000 crore. The fund is proposed to be set up to counter the inadequacy of public investment in agriculture and to provide impetus to enhance the flow of credit.

(c) Private sector-investment in agriculture sector has shown continuous improvement since 1987-80. In real terms by I99J-94 private sector investment in agriculture has increased by 22.5% over the position in 1987-88.

Statement

Gfoss Capital Formation in Agriculture (At 1980-81 Prices)

(Rs. in Crore)

Year	Gross Capital Formation in Agriculture		
	Total	Public Sector	Private Sector
1980-81	4636	1796	2840
1981-82	4503	1781	2722
1982-83	4590	1742	2348
1983-84	4101	1711	2390
1984-85	4549	1674	2875
1985-86	4325	1520	2805
1985-87	4011	1425	2586
1987-88	4414	1458	2956
1988-89	4347	1362	2985
1989-90	4353	1156	3197
1990-91	4593	1153	3440
1991-92	4497	1001	3496
1992-93	4617	1065	3552
1993-94*	4695	1074	3621

Note: * Quick Estimates
Source: National Accounts Statistics, CSO

Working group for the estimation of foodgrains requirements in 2000 A.D.

1338. SHRI RAMACHANDRAN PILLAI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that- the ministry have deputed a working group to prepare the estimated foodgrains requirement in 2000 A.D.;

(b) the kilo calories calculated from foodgrains and from other food sources;

(c) the major recommendations of the working group; and